गणतंत्र दिवस

गणतंत्र दिवस

15 अगस्त को राजतंत्र से, स्वतंत्र हुआ हिंदोस्तान ।
26 जनवरी को अपनाया, हमने अपना निज संविधान ॥
राजतंत्र को कर समाप्त, जनतंत्र जब आता है ।
जनतंत्र वह गणतंत्र बन, लोकराज कहिलाता है ॥
लोकराज के ऋतुराज में,खिल उठता है गुलस्तान-26 जनवरी...

सभ्यता अरु संस्कार संस्कृति,भारत देश की आन है ।
बहु-संसदीय प्रणाली यहां, सर्वोपर संविधान है ॥
विश्व में भारत-गणतंत्र,सब से ऊंचा और महान-26 जनवरी...

गणतंत्र में सारी शक्ति , होती जनता हाथ है ।
आम चुनाव से जनता ही,सरकार बनाती आप है ॥
कानून अरु संविधान में,हर कोई यहां एक समान-26 जनवरी...

बाल वृद्ध तरु युवक-युवतियां,परम धरोहर देश की ।
सब के योगदान से उननति,हो रही भारत देश की ॥
तीन सैनाएं-तिरंगा-झण्डा, भारत देश की है शान-26 जनवरी...

'मधुप' "सत्यमेव जयते" , में विश्वास हमारा है ।
भारतमाता की जय,जय-हिन्द,वंदे मातरम् नारा है ॥
जन-गण-मन के राष्ट्रगान का,होता भारत में जयगान-26जनवरी...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33266/title/Republic-day-petriotic-song-by-Madhup-Hari-Ji

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |